मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 70, मुंबई, मंगलवार, 12 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई का माहौल बिगाड़ने की कोशिश

धारा 144 लगाई गई

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। देर रात मुंबई के मानखुर्द इलाके में दो गुटों में जमकर संघर्ष हुआ है। जिसके बाद तकरीबन 30 से 40 अज्ञात लोगों ने हंगामा करते हुए कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की है। देर रात हुई इस घटना के बाद पूरे मानखुर्द इलाके में सोमवार सुबह से धारा 144 लगा दी गई है। यहां एक साथ 4 से ज्यादा लोगों के खड़ा होने पर मनाही है। इलाके में भारी तादाद में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मानखुर्द घटना में अब्दुल्ला याकूब शेख (32) नाम का एक व्यक्ति हुआ घायल

हाथ में तलवार लेकर 30-40 उपद्रवियों ने मानखुर्द इलाके में घुस कई
गाड़ियों में की तोड़फोड़

पुलिस ने अफवाहों से बचने को कहा

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महादेव पी कोलो ने बताया कि घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो और मैसेज सर्कुलेट हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने को कहा है। हालांकि, पुलिस इस संबंध में एक आधिकारिक बयान जारी कर सकती है।

मैं सभी से, खास तौर से मुसलमानों से दरखवास्त करता हूँ की, रिएक्ट ना करें, शांति बनाए रखे - और अपनी शिकायत पुलिस एवं सरकार को दर्ज कराएं: अबू आसिम आजमी

कुछ लोग माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे: अबू आजमी

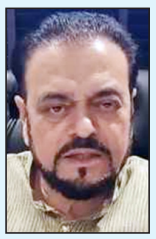

कुछ लोग सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे है की मुंबई का शांतिपूर्ण माहौल खराब हो और हिन्दू-मुस्लिम आपस में लड़ें। रमजान के महीने में मुस्लिम इलाके में जाक- र मस्जिद के सामने 'जय श्री राम' के नारे लगाना, डी.जे. बजाना, नमाज पड़ रहे मुस्लिम सामज के लोगों को उकसाना ताकि वो इसका प्रतिकार करें - ऐसा करने वाले भाड़यों से मेरा सवाल है की जहाँ कम मुस्लिम आबादी है उन जगहों पर ऐसी शरारत करके आप क्यों लड़ाई करना चाहते हो? इस में नुक्सान सब का है, पूरे देश का है। मैं समझता हूँ की सरकार को इसपर सख्ती से कार्रवाई करना चाहिए। मेरी जानकारी में ये घटना आज मुंबई में सिर्फ मेरे इलाके मानखुर्द पी.एम.जी कॉलोनी में ही नहीं बल्कि मलाड के मालवणी इलाके में भी हुई है। गाड़ियां तोड़ी गई, तलवारें निकाली गई, लोगों का नुक्सान किया गया - मुंबई पुलिस को सभी घटनाओं की पूरी जानकारी है। पुलिस को समझना चाहिए और सख्ती से मुंबई शहर और राज्य की शांति को भंग करने वाले असमाज़िक तत्तों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

दिलीप वालसे पाटिल ने मानखुर्द हिंसा के बीच लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने का किया आग्रह

महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने सोमवार को सभी समुदायों के लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों के सदस्य 'भड़काऊ' बयान दे रहे हैं, जिससे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी बढ़ सकती है। पाटिल ने सुनिश्चित किया कि राज्य में सांप्रदायिक तनाव भड़काने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कृपया महाराष्ट्र में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए हमारे साथ सहयोग करें।

आईएनएस विक्रांत चंदा केस

किरीट सोमैया को बड़ा झटका

मुंबई सेशंस कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज किया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। बीजेपी नेता किरीट सोमैया और उनके बेटे नील सोमैया को आईएनएस विक्रांत केस में बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मुंबई सेशंस कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सोमैया पिता-पुत्र पर यह था आरोप

शिवसेना सांसद संजय राउत द्वारा लगाए गए आरोप के बाद ट्राम्बे पुलिस स्टेशन में किरीट सोमैया के खिलाफ सेव विक्रांत मुहिम के नाम पर जुटाए गए पैसे के घोटाले के आरोप की जांच शुरू की गई है। पुलिस स्टेशन में शिकायतकर्ता पवन भोसले ने आरोप लगाया कि उन्होंने भी 'सेव विक्रांत मुहिम' के लिए चंदे दिए थे, लेकिन सोमैया ने उन्हें कोई रसीद नहीं दी। संजय राउत के मुताबिक सोमैया ने सेव विक्रांत के नाम पर 57 करोड़ से ज्यादा फंड जमा किया, जिसका कोई हिसाब नहीं है। फिलहाल इस मामले की जांच राज्य की आर्थिक गुनाह शाखा कर रही है।

'द कश्मीर फाइल्स'

एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ता में बैठे लोगों ने फिल्म का प्रचार किया

मुंबई। कश्मीरी पंडितों की लाइफ पर बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' अब 250 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। फिल्म को लेकर सत्तारूढ़ बीजेपी के नेता सिर्फ महाराष्ट्र ही नहीं देश के कई हिस्सों में इसे देखने की बात कह चुके हैं। इसी चीज पर नाराजगी जताते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) चीफ शरद पवार कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ता में बैठे लोगों ने फिल्म का प्रचार किया। शरद पवार ने केंद्र पर समाज में धर्म के आधार पर दरार पैदा करने का आरोप लगाया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पाकिस्तान में बदलाव

पाकिस्तान में अंततः सियासत ने नई करवट ले ली और इमरान सरकार को बहुमत के अभाव में जाना पड़ा। इमरान खान ने अंतिम समय तक खुद को बचाने की कोशिश की। सहानुभूति का लाभ लेने या माहौल के बदलने का इंतजार किया, लेकिन विपक्ष के अड़ने से जब हर चाल व उम्मीद नाकाम हुई, तब रविवार को 174 मतों के साथ नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया। वह इस तरह रुखसत होने वाले अपने देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। वह चूंकि अपनी पूरी फजीहत कराकर रुखसत हुए हैं, इसलिए उन्हें आने वाले दिनों में सियासी मोर्चे के साथ-साथ प्रशासनिक मोर्चे पर भी खूब संघर्ष करना पड़ेगा। उनके विदेश जाने पर एक तरह से रोक लग गई है और उन्होंने अपनी कमजोरियों की वजह से अपने विरोधियों को मौका दे दिया है। दरअसल, जब आप लोकतांत्रिक और सांविधानिक संस्थाओं पर विश्वास करते हैं, तब ये संस्थाएं भी आप पर विश्वास करती हैं और मजबूती देती हैं। लेकिन जिस तरह इमरान ने खुद को बचाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया है, अदालत के आदेश के बावजूद संसद से बचने की अंतिम समय तक कोशिश की है, उससे उन्होंने खुद अपने लिए कांटे बिछा लिए हैं। 9 अप्रैल का दिन पाकिस्तान के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। जो नेता अपनी मनमानी से पाकिस्तान का स्याह इतिहास लिख रहे थे, उनसे जनता कितनी नाउम्मीद हुई है, यह तो आगामी चुनावों में ही पता चलेगा, लेकिन फिलहाल बचे हुए कार्यकाल के लिए पाकिस्तान में किसी तरह से नई सरकार बनाने की कवायद चल रही है। नई सरकार का सुलूक इमरान खान और उनकी टीम के साथ मनमानी या द्वेष भरा नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण होना चाहिए। इमरान खान चाहते थे कि आगामी चुनाव उनके प्रधानमंत्री रहते हो, लेकिन इसके लिए यथोचित माहौल या बाकी नेताओं का विश्वास जीतने में वह कामयाब नहीं रहे। उन्होंने विरोधी हुए नेताओं को साथ लेने की उदार कोशिशों के बजाय भड़काने का ही काम किया। पाकिस्तान में नेताओं को गहरे घाव देने वाले ऐसे आरोपों से बचने की कोशिश करनी चाहिए। लोकतांत्रिक सरकार चलाने के लिए परस्पर बुनियादी विश्वास की जरूरत पड़ती है, इसका अभाव पाकिस्तान में नया नहीं है। क्या इस अविश्वास को अगले प्रधानमंत्री दूर कर पाएंगे? जिन विपक्षी दलों ने एक सरकार को बाहर का रास्ता दिखा दिया है, उन पर अब जिम्मेदारी है कि मिलकर देश को अच्छी सरकार दें। भावी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बहुमत जुटाने के अलावा सेना को भी विश्वास में लेकर चलने की मजबूरी कदम-कदम पर झेलनी पड़ेगी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अगर चौपट न होती, तो शायद इमरान खान को ऐसे न जाना पड़ता। अब शहबाज शरीफ कह रहे हैं कि पाकिस्तान के मुस्कराने केदिन आ गए हैं, क्या वाकई ऐसा है? सबसे पहले तो उन्हें आर्थिक सुधारों की दिशा में तेजी से बढ़कर दिखाना होगा, ताकि देश को बार-बार दुनिया के सामने हाथ न पसारना पड़े। भ्रष्टाचार से खुद बचना और देश को बचाना होगा। अभी पाकिस्तान पर जीडीपी का 43 फीसदी कर्ज है, महंगाई रोके नहीं रुक रही है। पाकिस्तानी होने का गर्व दिन-प्रति-दिन घटता जा रहा है, अतः सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि कट्टरता व आतंकवाद की राह पर यह देश अब न बढ़े, ताकि दुनिया में उसके पासपोर्ट की भी इज्जत बढ़े।

'परिवारवादी' पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छह अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर वीडियो कांफ्रेंसिंग से दिए एक भाषण में 'परिवारवादी' पार्टियों पर हमला करते हुए कहा, 'ये लोग भले ही अलग अलग राज्यों में हों, लेकिन परिवारवाद के तार से जुड़े रहते हैं'.परिवारवादी पार्टियों ने कभी युवाओं को आगे नहीं बढ़ने दिया, उनके साथ हमेशा विश्वासघात किया है'..युवा अब समझने लगे हैं कि किस तरह परिवारवादी पार्टियां लोकतंत्र की सबसे बड़ी दुश्मन हैं'। उन्होंने इससे पहले आठ फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए लोकसभा में कहा था, 'लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा परिवारवादी पार्टियों से है, यह मानना पड़ेगा'। चुनावी भाषणों में तो प्रधानमंत्री अक्सर यह बात कहते रहे हैं। सवाल है कि 'परिवारवादी' पार्टियां कौन सी हैं? बहुत सरलीकरण करें तो उन सभी पार्टियों को 'परिवारवादी' कह सकते हैं, जिनकी कमान बरसों या दशकों से एक परिवार के हाथ में हो या परिवार के किसी पुरखे ने पार्टी की स्थापना की हो और आज उसी परिवार का कोई सदस्य पार्टी को संभाल रहा हो। लेकिन क्या इतने भर से ऐसी पार्टियां लोकतंत्र की दुश्मन और लोकतंत्र के लिए खतरा बन जाती हैं? यह एक गंभीर विमर्श का मसला है, जिस पर आगे विचार करेंगे लेकिन उससे पहले कुछ राजनीतिक सवाल उठाने जरूरी हैं, जिनसे इस अहम मसले पर भाजपा की हिप्पोक्रेसी और सतही समझ का पता चलता है। सवाल है कि क्या सिर्फ वहीं 'परिवारवादी' पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं, जो भाजपा और केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध कर रही हैं या वो पार्टियां भी, जो भाजपा का साथ दे रही हैं? केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्री पशुपति पारस की लोक जनशक्ति पार्टी पारस 'परिवारवादी' पार्टी है या नहीं? मेघालय में भाजपा के समर्थन वाली और कोनरेड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी 'परिवारवादी' है या नहीं? केंद्र सरकार का परोक्ष समर्थन कर रही बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस 'परिवारवादी' पार्टियां हैं या नहीं? अगर 'परिवारवादी' पार्टियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं तो ऐसी पार्टियों को साथ रखने से लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा? ऊपर बताई गई परिभाषा के हिसाब से शिव सेना, अकाली दल और टीडीपी तीनों 'परिवारवादी' पार्टियां हैं, जो दशकों तक भाजपा की सहयोगी रही हैं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी तीनों पार्टियों का भाजपा से साझा रहा है। सवाल है कि ऐसी लोकतंत्र विरोधी पार्टियों को क्यों साथ रखा गया था? जम्मू कश्मीर की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी भी एक 'परिवारवादी' पार्टी है, जिसके संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती दोनों को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने ही जम्मू कश्मीर का मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस की स्थापना किसी गांधी या नेहरू ने नहीं की थी लेकिन चूंकि उस पर नेहरू-गांधी परिवार का नियंत्रण है इसलिए उसे 'परिवारवादी' कहा जाता है। उस पार्टी में तरक्की पाकर सत्ता की ऊंचाई तक पहुंचे कई 'परिवारवादी' इन दिनों भाजपा की शोभा बढ़ा रहे हैं। जाहिर है 'परिवारवादी' पार्टियों और लोकतंत्र के लिए खतरे का सिद्धांत अपनी सुविधा से बनाया गया है। ऐसी जो पार्टियां अपने साथ हैं वो लोकतंत्र को मजबूत करेंगी और जो विरोध में है उनसे लोकतंत्र को खतरा है!

जिन 'परिवारवादी' पार्टियों को लोकतंत्र के लिए खतरा और युवाओं का अवसर मारने वाली पार्टी बताया जा रहा है उनमें से कई पार्टियां दशकों से सत्ता से बाहर हैं। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल 17 साल से सत्ता से बाहर है और 17 साल से एक पार्टी और एक व्यक्ति का राज चल रहा है। क्या एक ही व्यक्ति का दशकों तक सत्ता और पार्टी दोनों पर नियंत्रण लोकतंत्र को मजबूत करने वाली बात है? क्या इससे युवाओं के अवसर नहीं खत्म हुए हैं? असल में 'परिवारवाद' नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के हाथ में असीमित सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र के लिए खतरे वाली बात है। असीमित सत्ता का केंद्रीकरण वंशवाद के बरक्स विश्वासपात्रवाद को बढ़ावा देता है। यह लोकतंत्र के लिए ज्यादा खतरे की बात है। 'परिवारवादी' पार्टियों में तो फिर भी योग्य व्यक्ति कमान संभाल सकता है या योग्य व्यक्ति आगे बढ़ सकता है लेकिन विश्वासपात्रवाद में योग्यता की कोई जगह नहीं होती। वहां सिर्फ विश्वासपात्र होना ही सबसे बड़ी योग्यता होती है। आज पूरा देश शासन की इस व्यवस्था का गवाह है, जिससे लोकतंत्र, संवैधानिक व्यवस्था और देश तीनों के लिए बड़ा खतरा है। राजनीति से इतर अब इसके गंभीर और व्यापक असर वाले पहलू पर ध्यान देते हैं। क्रिस्टोफ जेफ्रेलो ने अपनी किताब 'मोदीज इंडिया:हिंदू नेशनलिज्म एंड राइज ऑफ एथनिक डेमोक्रेसी' में भारत के लोकतंत्र को तीन हिस्सों में बांटा है। पहला हिस्सा आजादी के तुरंत बाद शुरू होता है, जिसे उन्होंने 'कन्वेंशनल डेमोक्रेसी' यानी पारंपरिक लोकतंत्र कहा है। इसके बाद दूसरा दौर अस्सी के दशक के आखिर में शुरू होता है, जिसे उन्होंने 'डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ डेमोक्रेसी' यानी लोकतंत्र का लोकतांत्रिकरण कहा है। तीसरा और आखिरी चरण नई सदी के दूसरे दशक में शुरू हुआ और अभी फल-फूल रहा है। उसे उन्होंने 'एथनिक डेमोक्रेसी' यानी नस्ली लोकतंत्र कहा। आज जिनको 'परिवारवादी' पार्टी कहा जा रहा है उनमें से ज्यादातर पार्टियां लोकतंत्र के दूसरे चरण यानी 'डेमोक्रेटाइजेशन ऑफ डेमोक्रेसी' के दौर की हैं। इन पार्टियों की वजह से लोकतंत्र का लोकतांत्रिकरण हुआ। जो लोकतंत्र ऊंची जातियों और धनपतियों के किले में कैद था, उसे उस चारदिवारी से इन पार्टियों ने आजादी दिलाई और आम लोगों तक पहुंचाया। इन पार्टियों की वजह से गरीबों, पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ी। सदियों तक दबा कर रखे गए लोगों को बोलने और अपनी बात रखने की ताकत मिली। इन पार्टियों ने अभिजात्य लोकतंत्र का लौह द्वार तोड़ा और वहां हाशिए पर के लोगों को प्रवेश दिलाया। जब यह प्रक्रिया चल रही थी तब इन पार्टियों को जातिवादी कहा जाता था और आज 'परिवारवादी' कहा जाता है। भाजपा और कम्युनिस्ट दोनों पार्टियां परिवारवादी नहीं हैं, लेकिन इन पार्टियों ने हाशिए पर के समूहों की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित नहीं की। इनके मुकाबले कथित परिवारवादी पार्टियों ने ज्यादा बड़े समूह की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की और इस तरह लोकतंत्र को मजबूत बनाया। लोकतंत्र का यह कायाकल्प आसान नहीं था। इस कायाकल्प को पूरा करने में नई और कथित परिवारवादी पार्टियों से भी कुछ गलतियां हुईं। लेकिन याद रहे निर्माण की हर प्रक्रिया विध्वंसक होती है। नब्बे के दशक में जब सारी स्थापित मान्यताएं और ढांचे टूट रहे थे तब बहुत से लोगों के लिए यह सांस्कृतिक सदमे की तरह था। वह दौर आंधी-तूफान की तरह आया था और जब तूफान शांत हुआ तो भारत की राजनीति, शासन-व्यवस्था और लोकतंत्र सबका पुराना ढांचा बदल चुका था। दक्षिण भारत में राजनीति का यह ट्रांसफॉर्मेशन पहले हो हुआ था क्योंकि वहां बड़े पैमाने पर समाज सुधार के आंदोलन हुए थे। बाकी भारत में यह प्रक्रिया अस्सी के दशक के आखिर में शुरू हुई और अब जाकर पूरी हुई है। आज अगर कोई पिछड़ी जाति का व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री है या देश के हर हिस्से में सहज रूप से पिछड़ी जाति का नेतृत्व स्वीकार्य है तो वह इन कथित परिवारवादी पार्टियों की वजह से संभव हो सका है। आज ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य से अलग अगर पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के सामाजिक समीकरण से चुनाव जीतने की बात हो रही है तो वह इन कथित परिवारवादी पार्टियों की वजह से संभव हुआ है। इन पार्टियों का उदय लोकतंत्र के उत्सव की तरह है। इन्हें गाली देने की बजाय इनके योगदान को स्वीकार कीजिए और इनका आभार मानिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भिवंडी शहर के वेराल तालाब में डूबने से हुई दो बच्चों की मौत

संवाददाता/समद खान

भिवंडी। वेराल तालाब में नहाने गए दो बच्चे की डूबने से हुई मौत का मामला प्रकाश में आया है विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 9 अप्रैल शनिवार दोपहर 12:00 बजे भिवंडी शहर के पटेल कंपाउंड के रहने वाले 6 बच्चे तालाब में नहाने के लिए गए थे उस मैं से एक बच्चा तालाब में डूबने लगा तभी दूसरा बच्चा उसे बचाने की कोशिश करने लगा और वह भी तालाब में डूब गया और 4 बच्चे घबराकर तालाब से बाहर आकर लोगों को इस बारे में जानकारी दी उसी वक्त स्थानीय लोगों ने तालाब में कूदकर बच्चों को ढूंढना शुरू किया तकरीबन काफी मशक्कत के बाद एक बच्चे की डेड बॉडी को दोपहर 3:00 बजे तक ढूंढ कर निकाला

गया वही दूसरे बच्चे की डेड बॉडी को रात 9:00 बजे ढूंढ कर निकाला गया मृतक बच्चे का नाम आमान आरिफ वर्ष 15 दूसरा बच्चे का नाम आमान सरफराज अंसारी वर्ष 12 रहवासी पटेल कंपाउंड का बताए जा रहे हैं गौरतलब बात यह है कि अग्निशमन दल के कर्मचारी भी यह बोलकर पीछे हट गए यह रात हो गई है हम कल बच्चे की डेड बॉडी ढूंढेंगे लेकिन स्थानीय रहवासी की कड़ी मेहनत से बच्चों की बॉडी को रात में ही निकाला गया और स्थानीय रहवासी द्वारा नगरपालिका पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि वेराल तालाब का पानी भिवंडी शहर में लोग पीते हैं और यहां पर रख रखाव बद से बदतर हालत में है तालाब की बाउंड्री चारों तरफ से टूटी पड़ी हुई है कोई भी तालाब में जब भी आए किसी तरह की कोई भी पाबंदी नहीं है ना ही वॉचमैन रखा गया है आखिर जो आज बच्चों की मौत हुई है उसका जिम्मेदार कौन है जिन बच्चों के जानें गई हैं उनके मां बाप से पूछो उनके दिलों पर क्या बीत रही है फिलहाल भिवंडी नगर पालिका से निवेदन है इस वेराल तालाब क पूरा निरीक्षण करें और जल्द दुरुस्त करें ताकि शहर भर के लोग स्वच्छ और सुरक्षित पानी पी सके आपसे निवेदन है।

कौसा व्हाय जंक्शन पर टेंपो के पीछे लटकने वाले बच्चों के साथ घटी दुर्घटना

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। रात के समय 11:00 बजे शंकर मंदिर से दोस्ती की ओर जाने वाला टेंपो के पीछे तीन बच्चे एमएम वैली से लटक गए और दुर्भाग्यपूर्ण कौसा व्हाय जंक्शन पार करते वक्त ट्रेलर के पीछे से टक्कर मारने से टेंपो चालक ने नियंत्रण खो बैठा और उसने व्हाय जंक्शन के चाइनीस स्टॉल पर अपने टेंपो ठोक दिया और तीनों बच्चों में से एक बच्चा पहले ही टेंपो से उतर गया और बाकी दो बच्चे जमीन पर आ गिरे इस दुर्घटना में दो बच्चे एक वसीम और दूसरा सुभान यह दोनों बच्चे नेशनल टावर के रहवासी बताए जा रहे हैं बच्चों के गिरने के बाद एक टायर टेंपो का बच्चे के हाथ पर से गुजर गया और दूसरा बच्चे की पीठ पर से गुजर गया है इस दुर्घटना में दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए दोनों बच्चों को नजदीक के कालसेकर हॉस्पिटल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया यह घटना 10 अप्रैल शुक्रवार रात 11:00 बजे की बताई जा रही है वहीं स्थानीय रहवासी द्वारा यह बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में टेंपो चालक की कोई गलती नहीं है दरअसल ट्रेलर और टेंपो की बीच में एक एक्टिवा गाड़ी कट मार कर आगे निकल गई ट्रेलर चालक ने ब्रेक मारने की कोशिश की लेकिन ट्रेलर ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी टक्कर मारने से टेंपो चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और व्हाई जंक्शन पर चाइनीस के स्टॉल में टेंपो ठोक दिया और पीछे लटक रहे बच्चे दुर्घटना का शिकार हो गए।

भाजपा एबीवीपी के जरिए धर्मनिरपेक्ष शिक्षण संस्थानों का सांप्रदायिकरण कर रही : राकांपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्रों के दो समूहों के बीच हुई झड़प की घटना की निंदा की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के माध्यम से धर्मनिरपेक्ष शिक्षण संस्थानों का सांप्रदायिकरण करने का आरोप लगाया। राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख प्रवक्ता महेश तापसे ने भाजपा पर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने और देश में 'सत्तावादी और बहुसंख्यकवादी' शासन लाने का आरोप लगाया और कहा कि इसीलिए उसके स्वयंसेवक इस तरह से काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कावेरी छात्रावास में जेएनयू छात्र संघ (जेएनयूएसयू) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के दो समूहों के बीच 'मेस' में रामनवमी पर कथित तौर पर मांसाहारी भोजन परोसने को लेकर रविवार को झड़प हो गई थी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव करने का आरोप लगाया है। वाम संबद्ध संगठनों ने दावा किया कि उनके लगभग 50 सदस्य घायल हुए हैं, जबकि एबीवीपी ने कहा कि उसके 10-12 कार्यकर्ता घायल हुए हैं। तापसे ने आरोप लगाया, राकांपा, जेएनयू परिसर में हुई हिंसा की घटना की कड़ी निंदा करती है...भाजपा, एबीवीपी के माध्यम से हमारे धर्मनिरपेक्ष शिक्षण संस्थानों का सांप्रदायिकरण कर रही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई का माहौल बिगाड़ने की कोशिश

जानकारी के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 10 बजे मानखुर्द इलाके में 30 से 40 लोग PMGP कॉलोनी में घुस गए और वहां खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ करने लगे। इनके हाथों में डंडे और तलवार थी। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। उपद्रवियों ने कई ऑटोरिक्शा में भी तोड़फोड़ की है। अचानक हुए इस हमले के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। इस हमले के बाद अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। हालांकि, सूचना मिलने पर कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई। इलाके में एडिशनल लेवल के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने भी देर रात तक हंगामा किया। जिसके बाद पुलिस ने पहुंचकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद पूरी रात मुंबई पुलिस के जवान इलाके में गस्त करते रहे। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि राजनीतिक फायदे के लिए हिंसा की घटनाएं की जा रही हैं। मानखुर्द इलाके के अलावा मलाड मालोनी इलाके में हिंसा की घटना हुई है। गाड़ियां तोड़ी गई हैं। तलवारे निकाली गई हैं। मुंबई पुलिस को घटना के बारे में पूरी जानकारी है। सरकार को इस पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। इसी घटना पर उत्तर-पूर्वी मुंबई लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद मनोज कोटक ने कहा कि PMGP कॉलोनी में हुई हिंसा का मामला बेहद गंभीर है। सांसद ने कहा कि वे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और अधिकारियों के संपर्क में हैं। कोटक ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

आईएनएस विक्रांत चंदा केस

सूत्रों के मुताबिक, किरीट सोमैया मुंबई से बाहर हैं और वे एंटीसिपेट्री बेल के लिए हाईकोर्ट का रुख करेंगे। हालांकि, नील सोमैया की गिरफ्तारी पूर्व जमानत अर्जी पर मंगलवार को फैसला आएगा। उनकी वकील पावनी चढ्डा ने बताया कि आज किरीट सोमैया की जमानत अर्जी कोर्ट ने ठुकरा दिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान सोमैया की ओर से कहा गया कि आईएनएस विक्रांत के नाम पर 11 हजार 225 रुपए चंदे के तौर पर जमा किए गए थे और वो पैसे राजभवन में जमा किए गए हैं, हालांकि, कोर्ट ने यह दलील स्वीकार नहीं की और अदालत ने कहा कि मामले की ठीक तरह से जांच जरूरी है। सरकारी वकील प्रदीप घरत ने अदालत के फैसले के बाद कहा कि किरीट सोमैया ने अपने आप को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वे यह साबित नहीं कर सके कि आईएनएस विक्रांत को स्क्रैप में जाने से बचाने के लिए उन्होंने जो पैसे जमा किए थे, उसका क्या इस्तेमाल हुआ। उन्होंने कहा कि पैसे जमा करने के बावजूद आईएनएस विक्रांत को स्क्रैप में जाने से बचाया जा सका, ना ही वे पैसे राजभवन में जमा किए गए। लोगों ने देशभक्ति के नाम पर चंदे दिए थे, लेकिन वे पैसे पार्टी फंड में जमा किए गए। इससे पहले आईएनएस विक्रांत मामले में दोनों पक्षों की ओर से दी गई दलीलों में एक नई बात सामने आई। किरीट सोमैया ने कहा था कि 1971 की लड़ाई में देश को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाला आईएनएस विक्रांत जहाज को स्क्रैप में जाने से बचाने के लिए उन्होंने जो 2013-14 में 'सेव विक्रांत' मुहिम के तहत पैसे जमा किए वे राज्यपाल के पास जमा करवाएंगे। यह पैसा आईएनएस विक्रांत को वॉर म्यूजियम बनाने के काम आएगा। लेकिन किरीट सोमैया के वकील अशोक मुंदरगी ने कोर्ट को बताया कि राजभवन का कोई अकाउंट नहीं था, इसलिए किरीट सोमैया ने जमा किए हुए वे पैसे बीजेपी पार्टी फंडमें जमा करवा दिए।

'द कश्मीर फाइल्स'

शरद पवार रविवार को अमरावती संभाग में राकांपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक में मौजूद थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राकांपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि समाज में धर्म के आधार पर दरार पैदा करने की कोशिश की जा रही है। जब ईंधन के दाम और महंगाई अत्यधिक तेजी से बढ़ रही है, तो उचित एवं तार्किक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने अल्पसंख्यक समुदाय में फैली असुरक्षा की भावना पर भी बात की। उन्होंने कहा, फिल्म में दिखाया गया कि कैसे हिंदुओं का उत्पीड़न किया गया॥ जब कभी कोई छोटा समुदाय समस्या का सामना करता है, तो बहुसंख्यक समुदाय उस पर कैसे हमला करता है। यदि बहुसंख्यक समुदाय मुस्लिम है तो हिंदू समुदाय असुरक्षा की भावना महसूस करता है।

बच्चों को 'गुड़ टच बेड टच' के विषय से परिचित करवाने की आवश्यकता हैं: मनीषा पंवार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। वर्तमान मे बच्चों को समाज मे व्याप्त बुराइयों और विशेष तौर पर 'गुड़ टच बेड टच' के विषय से परिचित करवाने की आवश्यकता है। ये विचार श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान युवा महिला, जोधपुर के द्वारा आयोजित विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत जोधपुर शहर विधायक श्रीमती मनीषा पंवार ने बच्चों और माताओं को सम्बोधित करते हुए कहे! कार्यक्रम संयोजक व युवा अध्यक्ष वन्दना सांखला ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि समाज में एक विशेष रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिसमें बच्चों को विशिष्ट परिस्थितियों से लड़ना व शिक्षित किया जाएगा। कार्य क्रम में बच्चो को विशेष क्वालिफाइड काउंसलर द्वारा शिक्षित किया गया एवं मैडिटेशन करवाया गया! कार्यक्रम मे सोनल, उषा कलवानी ने मैडिटेशन का सत्र लिया! कार्यक्रम में अध्यक्ष शशि शोभावत, पार्षद अंजुला रोपिया, पूर्व पार्षद अजु चौहान गिरिजा भाटी, हिमांशी आर्य, रीटा शेखावत, विनीता, सुमित्रा, दीप माला, डिंपल भाटी, निर्मला कंवर, सीमा भाटी, सरोज राठौर, प्रीती कंवर, वीना चौहान, सीमा भाटी, डिम्पल सांखला, नवलिका, अरुणा चौहान,गीता सोलंकी, मंजू राठौड़, सुनीता राठौड़आदि महिलाओ ने बच्चों को और समाज मे जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया! उक्त जानकारी वन्दना सांखला ने दी है।

वेद प्रचार से ही मानव समाज श्रेष्ठ समाज बनेगा: सत्यवीर चौधरी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आर्य समाज राज नगर सेक्टर-5, में धर्म व संस्कृति का प्रतीक श्रीराम नवमी पर्व धूमधाम से संपन्न हुआ इस अवसर पर आचार्य रामेश्वर शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में महायज्ञ संपन्न हुआ यज्ञोपरान्त यज्ञमानों को आशीर्वाद दिया! मुख्य अतिथि के रुप में पधारे वरिष्ठ पार्षद श्री राजेन्द्र त्यागी ने राम नवमी पर्व की सभी को बधाई देते हुए कहा कि यदि हम श्रीराम के आचरण को जीवन में उतारें तो पुनः राम राज्य की स्थापना हो सकती है और देश पुनः विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा। पलवल से पधारे स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती ने वैदिक संस्कृति के प्रकाश स्तंभ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन,व्यक्तित्व,कृतित्व और आदर्शों पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सब अपने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म उत्सव पर उनके जीवन चरित्र से शिक्षा ग्रहण कर रहे थे! आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित सदस्य श्री श्रद्धानंद शर्मा ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने रूढ़ियों व कुरितीयों का समूल नष्ट कर नई क्रांति का शंखनाद किया! मंच का कुशल संचालन करते हुए समाज के यशस्वी मंत्री सत्यवीर चौधरी ने कहा कि आर्यसमाज की स्थापना से वैदिक धर्म का पुनरुद्धार एवं रक्षा हुई है। वेद प्रचार से ही मानव समाज श्रेष्ठ समाज बनेगा तथा कृण्वन्तो विश्मार्यम से ही विश्व का कल्याण एवं उन्नति होगी। उन्होंने आगे कहा कि श्रीराम अयोध्या के राजा थे। वे बड़े प्रतापी, सहनशील, धर्मात्मा, प्रजापालक, निष्पाप, निष्कलंक थे। उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने मानव समाज के लिए आदर्श व्यवहार की मर्यादाएं स्थापित कीं। महाराजा दशरथ ने श्री राम को युवराज बनाने का अपना विचार सारी परिषत के सामने रखा। तब परिषत ने इस प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए श्री राम के गुणों का वर्णन इस प्रकार किया प्रजा को सुख देने में श्री राम चन्द्रमा के तुल्य हैं, वे धर्मज्ञ, सत्यवादी, शीलयुक्त, ईर्षा से रहित, शान्त, दुखियों को सान्त्वचना देने वाले, मधुरभाषी, कृतज्ञ और जितेन्द्रिय हैं। मनुष्यों पर कोई आपत्ति आने पर वे स्वयं दुःखी होते हैं और उत्सव के समय पिता की भान्ति प्रसन्न होते हैं। उनका क्रोध और प्रसन्नता कभी निरर्थक नहीं होती। वे मारने योग्य को मारते हैं और निर्दोषों पर कभी क्रोध नहीं करते थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती आशा चौधरी, वन्दना अरोड़ा, शिल्पा गर्ग कोशल गुप्ता, सर्वश्री, सुभाष गर्ग, मगन सिंह त्यागी हरशरण त्यागी, प्रवीण आर्य, सुभाष चंद्र गुप्ता, शशिबल गुप्ता,राम निवास शास्त्री, शंकर लाल शर्मा, सुधीर धमीजा, गौरव आर्य,त्रिलोक शास्त्री आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

महिला सुरक्षा को लेकर गणतंत्र समूह द्वारा दिया गया एक दिवसीय धरना

संवाददाता/
सैय्यद अलताफ हुसैन

झारखंड, धनबाद। रणधीर वर्मा चौक, भारत के महान समाज सुधारक महिलाओ मे शिक्षा, एव विकास, समाजिक उत्थान मे अद्वितीय कार्य अंजाम देने वाले, महात्मा ज्योतिवा राव फुले के 196 वाँ जयंति पर, गणतंत्र समूह, द्वारा पुर्व घोषित आन्दोलन के क्रम मे महात्मा ज्योतिवा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर एक दिवसीय धरना धनबाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रो मे महिला युवतियो पर ब्लातकार और हत्या मे शाशनिक व्यवस्था के विरुद्ध एकदिवसीय धरना साथी मुन्ना खान के अध्यक्षता मे संपन्न हुए। जिसमे झरिया साहित धनबाद के कई क्षेत्रो से समाजवादी साथी शामिल हुए विशेष कर गणतंत्र के संयोजक साथी प्रेम बच्चन,बी,एस,पी, के पुर्व प्रदेश अध्यक्ष साथी सुबल दास, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष साथी लोकेश रवि, संजय कुमार, अंजाना प्रकाश, शामील हुए। धरना मे 11 सुत्रि मांग पत्र को उपस्थित साथियो ने सर्वसम्मति से पारित कर उपायुक्त के माध्यम से झारखंड मुख्य मंत्री को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर साथियो ने बारी बारी से अपनी बातों को रखा जिसमे साथी प्रेम बच्चन ने झरिया जोरपोखर में घटी घटना जिसमे, मनतशा अजमेरी एक छात्रा जो 26 मार्च को रोज के तरह ट्यूशन पढने निकली जब समय पर नही पहुची तब परिजनो ने थाने को खबर की थाना अपने तरीके से लगी थी तभी 30 मार्च को बरारी तालाब से उसकी लाश बरामद की जिसमे उसकी जुबान बाहर निकली हुई थी चेहरा जला हुआ था। और तो और शव पानी मे पीठ के बल तैरती हुई मिली स्पष्ट है किसी ने उसकी बडे ही निर्ममता से हत्या की है शारीरिक अत्याचार से भी इन्कार नही किया जा सकता है। वैसे मे खुद पुलिस का यह कहना कि इसकी मौत पानी मे डूबने से हुई है। बच्चन जी ने कहा इसकी हत्या हुई है पुलिस पर विश्वाश नही है इसलिये पुरे घटना के जांच उच्च स्तरीय टीम से कराई जाय। वही मुन्ना खान ने कहा यदि पुलिस समय रहते गम्भीरता दिखाती तब यह हादशा रुक सकती थी इन्होने उच्च स्तरीय जांच की मांग की। सुबल दास ने जिला पुलिस के कार्यशैली पर सवाल खडे करते हुए कहा टुन्डी के घटना का एक पखवाडा बीत जाने के बाद अब तक ममता सोरेन के हत्यारो को पुलिस गिरफ्तार नही कर सकी यह आने वाले घटनाओ पर क्या कर लेगी एक बडा सवाल है। बाबुराम मुर्मू ने कहा मनतशा अजमेरी, एवं ममता सोरेन दिनो बहुजन बेटियो के बरबर्ता के अनेको सुराग के बाद भी अब तक कोई उदभेदन नही होना चिंता का विषय है बताया। और यह भी ऐसे घटनाओ पर रोक वा दोषियो पर कार्यवाही के लिये व्यापक जन संघर्ष की जरूरत पर बल दिया। वही अन्जाना प्रकाश ने कहा समाज मे एक भयवाह माहौल बन रहा है ऐसे मे हम युवतियो को कही भी आने जाने मे भय के सांये मे जीना पड रहा है। अन्त मे प्रेम बच्चन ने कहा धनबाद के बहुजन युवा को अब अपने वजूद वा प्रतिष्ठा के खातिर लोकतान्त्रिक अधिकारो के रास्ते इंकलाब करना होगा। जब तक मनतशा, और ममता सोरेन को न्याय नही मिल जाती, गणतंत्र समूह, चरणवद्ध आन्दोलन करने का घोषणा किया। पांच सदस्य के टोली उपयुक्त को 11 सुत्रि मांग पत्र दिया। धन्यवाद ज्ञापन कैलाश रजक ने किया। धरना को सफल बनाने ने शमीम शाह, निगार खान, सतीश पाण्डेय,इरफान अंसारी, जाफर सिद्दिकी, तुफैल,राजेश धाढी, कादिर, सजिद हुसैन, सलमान, निरंजन चौहान, प्रदीप चौहान, गोपाल कुमार, सद्दाम, रीता कुमारी, रवि कुमार, साहित अन्य साथी ने सहयोग किया और आगे भी संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

असंगठित कामगार एंड कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज जी का राजस्थान दौरा

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय जयपुर में असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज का असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल रज्जाक भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कामगार के प्रदेशभर से जिला अध्यक्ष पदाधिकारी गण जयपुर पहुंचे पीसीसी कार्यालय में कामगार कर्मचारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की डिजिटल सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा हुई और ज्यादा से ज्यादा मेंबर शिप करने का आह्वान हुआ। बीकानेर से जाकिर नागोरी के नेतृत्व में महासचिव नजरुल इस्लाम कामगार मीडिया प्रभारी असीम सैयद मनोनीत पार्षद हाजी मोहम्मद असलम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज का साफा व माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया।बीकानेर जिला अध्यक्ष जाकिर नागौरी को अपनी बात रखने का मौका दिया गया उन्होंने कहा अब्दुल रज्जाक भाटी जी के नेतृत्व में 2018 से राजस्थान में जब कांग्रेस सरकार ही नहीं थी उस वक्त से प्रदेशभर से कामगार कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पीसीसी कार्यालय में मीटिंग करके सब का मार्गदर्शन किया चुनाव में कांग्रेस सरकार लाने के लिए किस तरह अपने इलाकों में जाकर काम करना है हमेशा जागरूक करते रहे। जाकिर नागौरी में कहा 2017 में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के संरक्षण में यह संगठन बनाया गया और कहा था देश में जहां भी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होगी वहां कामगार बोर्ड का गठन किया जाएगा। जाकिर नागौरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस बात से भी अवगत कराया राजस्थान में 3 साल से अधिक सरकार बनी हुई है कामगार बोर्ड बनाने की अभी तक कोई भी कारवाई शुरू नहीं हुई अगर कामगार बोर्ड बने राज्य सरकार की तमाम योजनाओं को बोर्ड के माध्यम से हर कामगार कर्मचारी मजदूरों तक पहुंचाया जा सके।

कानपुर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर का सफल अभियान लगातार जारी

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। सभी संगीन घटनाओं के खुलासे के साथ ही हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले यहां के पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने हर तरह के अपराधियों को गिरफ्तार कर हर हाल में जेल भेजने की कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ उन्होंने घटनाओं के सटीक अनावरण और पीड़ितों की तत्काल सहायता के भी निर्देश देते हुए कहां है कि कोई भी अपराधी किसी भी हालत में बचना नहीं चाहिए। उसे हर हाल में गिरफ्तार कर जेल का रास्ता अवश्य ही दिखाया जाए। योगी आदित्य नाथ की अगुवाई में भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश में दोबारा बनी भाजपा सरकार की मंशा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले जुझारू तेवरों वाले व्यवहार कुशल पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की भी चेतावनी दी है। अवगत कराते चलें कि यहां पुलिस कमिश्नरी के गठन के बाद कानपुर के दूसरे पुलिस कमिश्नर बनाये गये निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली वाले अपनी कर्तव्य निष्ठा के प्रति पूर्ण रूप से ईमानदार, सरल और शालीन स्वभाव के कठोर परिश्रमी वरिष्ठ आईपीएस विजय सिंह मीणा का अबतक का कार्यकाल अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की हर सम्भव सहायता के रुप में पुलिस कमिश्नरी के गठन के उद्देश्य को सार्थक करने में पूरी तरह से सफल चल रहा है। इसी क्रम में संगीन घटनाओं के सटीक खुलासे के साथ कमिश्नरेट पुलिस को लगातार मिल रही चोरी और लूट के माल समेत शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल का रास्ता दिखाने जैसी सफलता रूपी महत्वपूर्ण उपलब्धि का मामला भी अपने आप में कम उल्लेखनीय और प्रशंसनीय नहीं। जानकार सूत्रों की नजर में इसका पूरा श्रेय भी किसी और को नहीं बल्कि अपराधी अराजकतत्वों के खिलाफ लगातार जारी सफल अभियान के जुझारू तेवरों वाले अगुवाकार तेजतर्रार उन पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा को जाता है, जो हर तरह से मातहतों का मनोबल बढ़ाते हुए कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ टीम भावना के साथ अपना इरादा हर हाल में पूरा करने के लिए भी चर्चित माने जाते हैं।

अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

श्रीराम के चरित्र को सभी अपने जीवन में अपनाएँ: डॉ. नरेन्द्र आहुजा विवेक

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में रामनवमी के उपलक्ष्य में 'श्रीराम भक्त कौन?' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया.यह कोरोना काल में 383 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता हरियाणा के पूर्व राज्य औषधि नियन्त्रक एवं परिषद् हरियाणा के प्रभारी नरेन्द्र आहूजा विवेक ने कहा कि जिस विधि रहते राम ता विधि रहिए मानने वाला ही राम भक्त होता है। हमें मयार्दा पुरुषोत्तम राम के जीवन आदर्शों मान्यताओं यज्ञ रक्षा और योग की जीवन पद्धति को अपनाना चाहिए।जैसे श्रीराम राजतिलक और वनगमन के समय समभाव रहे थे वैसे ही हमें भी जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में स्थितप्रज्ञ होकर समभाव रहना चाहिए,जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम राम प्राण जाएं पर वचन ना जाए पर चलते हुए कभी अपना वचन नहीं तोड़ते थे वैसे ही हमें भी कभी अपना वचन भंग नहीं करना चाहिए। हमें अपने मन मन्दिर में राम के आदर्शों को स्थापित कर अपने मन मंदिर में राम मंदिर की स्थापना करनी चाहिए। राम मंदिर ही राम राज्य की स्थापना की तरफ एक मील का पत्थर साबित होगा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्री राम गुणों की खान थे उनका चरित्र उत्तम कोटि का था उसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि तिहाड़ जेल के पूर्व ला ऑफिसर सुनील गुप्ता व अध्यक्ष वेद प्रकाश ने भी श्रीराम के चरित्र पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज चित्र नहीं चरित्र की पूजा करता है। गायक रविन्द्र गुप्ता, पिंकी आर्या, दीप्ति सपरा, रचना वर्मा, ईश्वर देवी, कमला हंस, कमलेश चांदना, अंजू आहुजा, रेखा गौतम, राजश्री यादव, कौशल्या अरोड़ा, रजनी चुघ, सरला बजाज, कुसुम भंडारी, प्रवीना ठक्कर आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

बैंक चुनाव में झूठी घोषणा का मामला: दरेकर बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस के सामने पेश हुए

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा नेता प्रवीण दरेकर बैंक चुनाव में कथित रूप से झूठी घोषणा करने के मामले में दूसरी बार अपना बयान दर्ज कराने के लिए सोमवार को मुंबई पुलिस के सामने पेश हुए। एमआरए मार्ग थाने के अधिकारी ने बताया कि दरेकर दूसरी बार अपना बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस के सामने पेश हुए। इससे पहले वह चार अप्रैल को पेश हुए थे। दरेकर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (विश्वासघात), 465 (जालसाजी के लिए दंड), 468 (धोखाधड़ी के मकसद से जालसाजी), 120 (आपराधिक साजिश) समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में रामनवमी को सकुशल संपन्न कराने में सफल रहा पुलिस कमिश्नर का परिश्रम

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां रामनवमी पर शोभा यात्राओं के साथ ही जवारा जुलूसों की भी भरमार रही। यह लगभग शहर की हर इलाके से गाजे-बाजे के साथ निकाले गए। इस तरह की सबसे ज्यादा जवारा जुलूस जूही थाना क्षेत्र के बाराह देवी मंदिर के लिए निकलें जहां महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के साथ लोग अपने शरीर के विभिन्न अंगों में धारदार सांग लगाकर दंडवत करते हुए मंदिर पहुंचे। कमिश्नरेट पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था के साथ तड़के शुरू हुए भारी भीड़ वाले इन जुलूसों का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। खास बात यह भी कि शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से निकलने वाले रामनवमी और जवारा जुलूसों के इन सभी आयोजनों को कमिश्नरेट पुलिस की परिश्रम पूर्ण सतर्कता पूरी तरह से सकुशल संपन्न कराने में भी सफल रही। इसमें पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती पूर्ण थी, रावतपुर से निकाले जाने वाली भगवान राम की शोभा यात्रा यानी रामनवमी जुलूस, जिसे भी कमिश्नरेट पुलिस ने सकुशल संपन्न कराने में सफलता प्राप्त की। सतर्कता के मामले में बहुत कठोर परिश्रम से पुलिस का पूर्ण रूप से सफल हुआ यह प्रयास इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सांप्रदायिक संवेदनशीलता के चलते कानपुर में इस तरह के आयोजनों को सकुशल संपन्न करा ले जाना बहुत सरल नहीं माना जाता। खासकर रावतपुर से निकलने वाले रामनवमी जुलूस को क्योंकि कल्याणपुर का रावतपुर साम्प्रदायिक रूप से बहुत संवेदनशील है और रामनवमी का जुलूस निकालने के दौरान पूर्व में पुलिस को बवाल का भी सामना करना पड़ता रहा है लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ। सब कुछ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया, जिसका पूर्ण श्रेय जनहित में कानून और शांति व्यवस्था से जुड़े हर कार्य को सफलता पूर्वक संपादित कराने में हस्तसिद्ध माने जाने वाले वरिष्ठ आईपीएस एडीजी यहां के पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा के बहुत परिश्रम और सतर्कता पूर्ण बेहद कुशल नेतृत्व को जाता है। विधानसभा चुनाव समेत अब तक के सभी त्योहारों को भी सकुशल संपन्न कराने में सफल तेज तर्रार और व्यवहार कुशल पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा की कर्तव्य के प्रति निष्ठा ने कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में रामनवमी को लेकर निकलने वाले विभिन्न जुलूसों और शोभायात्राओं सकुशल संपन्न कराने की, जिस कार्य योजना को अमलीजामा पहनाने की रणनीति पहले ही तैयार कर ली थी। उसके फलस्वरूप कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में सफलता मिलना पहले से ही तय माना जा रहा था और वह मिल कर भी रही। जबकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोबारा भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के फलस्वरूप इन आयोजनों को सकुशल संपन्न करा ले जाना बहुत टेढ़ी खीर था, लेकिन यह सब कुछ कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में इसलिए संभव हो सका क्योंकि सभी संगीन घटनाओं के सटीक खुलासे के साथ ही अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई में अव्वल होने के फलस्वरूप जनता को भारी राहत पहुंचाने में भी सफल देश प्रदेश के कर्तव्य निष्ठा और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में गिनती रखने वाले निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के प्रबल पक्षधर जुझारू तेवरों वाले पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने रामनवमी पर रावतपुर की शोभा यात्रा समेत विभिन्न क्षेत्रों के निकलने वाले जवारा जुलूसों को भी चाक चौबंद व्यवस्था के साथ सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक आदेश निर्देश अपने मातहत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले ही दे रखे थे। यही वजह है कि इसमें मिली सफलता ने कमिश्नरेट पुलिस के परिश्रम पूर्ण सतर्कता और कर्मठता को सार्थक साबित कर दिया। और रामनवमी पर सब कुछ सकुशल संपन्न हो गया।

मध्यप्रदेश में पत्रकारों के साथ घटी घटना बेहद शर्मनाक: महेन्द्र कुमार पांडेय

प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट ने चिंता जताई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। देश में पत्रकारों पर बढ़ते फर्जी मुकदमों एवं मध्यप्रदेश में पत्रकारों के साथ घटी घटना पर प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार पांडेय ने चिंता जताई हैं! पांडेय ने कहा कि इस साजिश का पदार्फाश होना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए चाहे वो खादी वाला या खाकी वाला गुंडा ही क्यों नहीं हो! पत्रकारों पर बढ़ते अत्याचारों को अब किसी भी हालत में सहन नहीं किया जाएगा! पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि हमारे देश में सच दिखाने, सच बोलने निष्पक्ष लिखने व अपराध- भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले पत्रकारों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा हैं? ये सवाल देश के हर एक नागरिक से हैं। हम पत्रकारों के चरित्र व सोच की बात कर रहे हैं। पत्रकार को लाख कोशिश करके कोई डरा ले धमका ले खरीदने की कोशिश कर ले लेकिन जो सच्चा पत्रकार ही होगा उस पर कोई असर नही पड़ेगा वो देश हित समाज कल्याण के लिए कार्य करता रहेगा! बदलते वक्त में कुछ हमारे अपने पत्रकार भाई बहन भी आपस में एक दूसरे को प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सोशल मीडिया का हवाला देकर बंट गये हैं और इनको बांटने के लिए कुछ अराजक तत्व ने साजिश रच कर पत्रकारिता के क्षेत्र में दीमक बनने का काम किया हैं जो कहीं न कही अपने मकसद में कामयाब हो रहे हैं। इसी कारणवश आज देश के निष्पक्ष लिखने वाले निर्भीक पत्रकार पर अत्याचार हो रहा है फर्जी मुकदमा दर्ज किया जा रहा हैं धमकी दी जा रही है कैमरे तोड़े जा रहे हैं आईडी छीनी जा रही है पत्रकारों को कवरेज के दौरान काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं! हमले का शिकार हो रहे हैं। जो देश के लिए अच्छा संदेश नही हैं। हम बात करें बलिया के पत्रकारों की तो आज शायद देश का हर एक नागरिक तक पंहुच चुका होगा! हमें विस्तार से बताने की जरूरत नही पड़ेगी। हम बात करें मध्यप्रदेश के पत्रकारों की तो मध्यप्रदेश पुलिस जिस तरह पत्रकारों के कपड़े उतरवा कर शर्मशार किए हैं इससे जायदा शर्मनाक और तस्वीर नही हो सकती। इससे पहले भी हमारे पत्रकार बंधुओ के साथ ऐसी तमाम घटनाएं घट चुकी हैं। लोग तह तक ना जाकर उल्टे पत्रकारों के खिलाफ खबर चला कर शासन-प्रशासन का मदद करते हैं जिनको नाजायज सजा काटना पड़ा हैं! यदि हम पत्रकार एक होकर अपनी कलम की गरिमा बचाने के लिए ताकतवर नही बनते तो आने वाले समय में बारी बारी से सभी निष्पक्ष पत्रकारों के साथ ऐसा ही व्यवहार हो सकता है फिर न तो कोई सच लिखने की हिम्मत बना पायेगा न सच बोलने की क्षमता जुटा पायेगा न ही निष्पक्ष खबरों का प्रसारण कर पायेगा सिर्फ वही पत्रकार बचेगा जो सिस्टम का एक हिस्सा होगा। और धीरे-धीरे क्रिमिनल गैंगस्टर अपराधी भ्रष्टाचारी देश पर राज करेगें और निष्पक्ष लिखने वाले निर्भीक पत्रकार विलुप्त हो जायेगें। अब फैसला आपको करना हैं कि अपनी जिम्मेदारी निभा कर देशवासियों के हित के लिए निष्पक्ष निर्भीक पत्रकारों को बचाना है या फिर देश में अपराध भ्रष्टाचार की जड़ मजबूत बनाना हैं। यदि आप सच लिखने वाले सच बोलने वाले पत्रकार व पत्रकार का समर्थन करने वाले देश के नागरिक सच का साथ देना चाहते हो तो हम मीडिया के पत्रकारों के लिए लड़ने के लिए आगे आना चाहते हैं जो कुछ अलग तरह की तस्वीर होगी जो भी हमारे अभियान में शामिल होना चाहते हैं वो हमारे व्हाटस्अप नंबर 8097985829 पर अपना नाम मोबाइल एवं संस्थान का नाम मैसेज करें। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से राजस्थान में जुड़ने के लिए मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ (09799988158) से संपर्क किया जा सकता हैं! हम पत्रकारों के हित के लिए जल्द यात्रा शुरू कर जन जन को जागरूक करेंगे।

कानपुर के रावतपुर में सकुशल संपन्न हुआ रामनवमी का जुलूस

पूर्व में राम शोभा यात्र के दौरान हो चुके बवाल

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले के अतिसंवेदनशील रावतपुर में भी रामनवमी का जुलूस सकुशल संपन्न हो गया। इस दौरान यहां बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात रहा। जय श्री राम के गगनभेदी नारों के बीच हाथों में ध्वजा लिए हजारों लोगों के साथ रावतपुर के ऐतिहासिक रामलला मंदिर से निकाले गए इस भव्य राम शोभायात्रा जुलूस की अगुवाई रामनवमी महोत्सव के मुखिया आर एस एस के वरिष्ठों में से एक चर्चित समाजसेवी जुझारू तेवरों वाले अवध बिहारी मिश्रा ने की। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल के साथ अधिकारी भी मौजूद रहे।अवगत कराते चलें कि रावतपुर गांव सामप्रदायिक दृष्टिकोण से काफी संवेदनशील इलाका है और पूर्व में यहां राम शोभायात्रा जुलूस के दौरान बवाल हो चुके हैं, लेकिन योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार बनने के बाद इस बार निकाला गया जुलूस सकुशल और शांतिपूर्ण रहा। इस मौके पर सांसद सत्यदेव पचौरी, देवेन्द्र सिंह भोले, विधायक काला बच्चा, सुरेन्द्र मैथानी के साथ ही वरिष्ठ भाजपा नेता शैलेन्द्र त्रिपाठी और अंकित मिश्रा, अन्नू पंडित, सौरभ मिश्रा, नवीन सिंह, राजा गुप्ता, नितेश मिश्रा तथा सुबोध बाजपेई आदि लोग मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नींबू के छिलके को न समझे बेकार, इससे लें ढेरो फायदे

गर्मियों में लोग नींबू का अधिक सेवन करते हैं। पौष्टिक गुणों से भरपूर नींबू शरीर को कई बीमारियों से दूर रखता है। अक्सर हम नींबू के छिलके को बेकार समझकर कूड़े में फेंक देते है लेकिन इसका छिलका भी बहुत फायदेमंद है। नींबू का छिलका वजन घटाने में मददगार है। इसमें पेक्टिन नामक तत्व पाया जाता है जो शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को तेजी से कम करता है। अगर आप मोटापे से छुटकारा पाना चाहते है तो इसका सेवन करें।

नींबू के छिलके के फायदे

तनाव

आजकल हर तीसरा व्यक्ति तनाव से ग्रस्त है। तनाव से छुटकारा पाने के लिए नींबू का छिलका सबसे बैस्ट है। इसमें मौजूद फ्लेवोनॉयड तनाव को दूर करने में मदद करता है।

कैंसर

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए नींबू के छिलके काफी फायदेमंद है। इसमें मौजूद तत्व कैंसर की कोशिकाओं से लड़ने में मददगार है।

मजबूत दांत

नींबू के छिलकों में 10 नींबू के रस से 10 गुना ज्यादा विटामिन और कैल्शियम पाया जाता है। इसका इस्तेमाल करने से दांतों से जुड़ी कई परेशानियां दूर होती है।

दिल को रखें स्वस्थ

पोटेशियम से भरपूर नींबू का छिलका ब्लड प्रैशर को कंट्रोल में रखता है। यह हार्ट अटैक और डायबिटीज जैसी बीमारियों से बचाता है।

ग्लोइंग स्किन

नींबू के छिलके से आप स्किन संबंधित समस्याओं को दूर कर सकते है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण त्वचा को निखारने में मदद करते है।

बहरेपन को ठीक करने में बेहद कारगर हैं ये देसी नुस्खे

बहरेपन की समस्या कुछ लोगों को बचपन से होती है और कुछ की किसी दुर्घटना या फिर अपनी लापरवाही जैसे ज्यादा देर ईयरफोन लगा कर म्यूजिक सुनना, नहाते समय पानी कान में चले जाना, घर पर कान की सफाई करना, कान में कड़ा मैल जमने आदि के कारण सुनने की शक्ति खत्म हो जाती है। कभी-कभी बढ़ती उम्र में भी बहरेपन की समस्या होने लगती है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों का सहारा लेकर भी इससे छुटकारा पा सकते हैं।

1. सरसों का तेल और धनिया

बहरेपन से छुटकारा पाने लिए सरसों के तेल में धनिए के बीज डाल कर इसे पकाएं। जब तेल जल कर आधा रह जाए तो इसे छान लें। फिर इसे ठंडा करके कान में डालें।

2. सफेद प्याज

सफेद प्याज के अर्क को दिन में तीन बार डालने से बहरेपन से राहत मिलती है। इस उपाय को 2-3 महीने तक करें।

3. गाय का दूध

गाय के दूध में 1 चुटकी हीरा हींग डाल कर अच्छी तरह से मिलाएं और इसे 2 बार कान में डालें।

4. लहसुन

लहसुन में बहुत सारे औषधीय गुण पाए जाते हैं। बहरेपन की समस्या में इसे प्रयोग में लाने के लिए लहसुन की 7-8 कलियां छील कर 100 ग्राम सरसों के तेल में पकाएं। फिर इस तेल को ठंडा करके बूंद-बूंद करके कान में डालें।

5. मूली का रस

बहरेपन से राहत पाने के लिए सरसों के तेल में थोड़ा-सा मूली का रस मिलाएं और इसे इस्तेमाल करें।

6. बेल और अनार के पत्तों का रस

इस उपाय को करने के लिए 1-1 चम्मच बेल और अनार के पत्तों का रस दोनों मिलाकर 100 ग्राम सरसों के तेल में डाल कर तब तक पकाएं जब तक तेल आधा न हो जाए। फिर इसे आंच से हटा कर छान कर शीशी में रखें और इस्तेमाल करें।

झड़ते बाल और पिंपल्स से छुटकारा दिलाएगा करी पत्ता

करी पत्ते का इस्तेमाल हर घर की रसोई में खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन इसमें ऐसे विटामिन्स पाए जाते हैं, जो स्किन और बालों के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। अगर आप टूटते-झड़ते बालों, डैंड्रफ, पिंपल आदि ब्यूटी प्रॉब्लम्स से परेशान है तो आप करी पत्ते से इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको करी पत्ते के फायदे और इसे इस्तेमाल करने का तरीका बताएंगे, जिससे आपको बहुत जल्दी फायदा दिखने लगेगा।

1. पिंपल से पाए छुटकारा

करी पत्ते के इस्तेमाल से पिंपल और इसके मार्क्स से राहत मिलती है। इसके पेस्ट को लगाने से एक्ने-प्रोन एरिया को आराम और ठंडक मिलती है। इसे लगातार लगाने से पिंपल्स मार्क्स भी खत्म हो जाते हैं। इसका पेस्ट बनाने के लिए करी पत्ते को धो कर पेस्ट बना लें और फिर इसमें लेमन जूस मिलाएं। फिर इसे 10 मिनट तक प्रॉब्लम वाली जगह पर लगाएं और फिर चेहरे को धो लें।

2. फाइन लाइन से मिलें राहत

फाइन लाइन और ग्लोइंग चेहरे के लिए करी पत्ते का फेस पैक बहुत फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए करी पत्ते को धूप में सूखा लें। फिर इसे पीस कर पाउडर बनाएं। अब इसमें मुलतानी मिट्टी, गुलाब जल और कोई भी तेल अच्छी तरह से मिलाएं। अब इस पैक को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद चेहरा धोएं।

3 झड़ते बालों और डैंड्रफ से मिलें छुटकारा

टूटते-झड़ते बालों और डैंड्रफ में राहत पाने के लिए करी पत्ता बहुत कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए करी पत्ते को दूध में पीस कर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को सिर के स्कैल्प पर 15-20 मिनट तक लगाएं। इसके बाद बालों धो लें।

4. सफेद बालों को बनाए काला

अगर आप समय से पहले सफेद होने वाले बालों से परेशान है, तो करी पत्ते का तेल बना कर इस्तेमाल करें। इसे बनाने के लिए नारियल तेल को गर्म करके उसमें साफ और सूखें करी पत्ते मिलाएं और इसे तब तक गर्म करें जब तक पतों का रंग न बदल जाएं। फिर इसे ठंडा करके अपनी उंगलियों से पत्तों को तेल में मैश करें। अब इसे छान कर पत्तों से अलग कर दें। अब इस तेल को बालों की जड़ों तक लगाएं। इससे बाल काले और मजबूत होगें।

यह खाना औरतों को बना सकता है उम्र भर के लिए बांझ

प्रेग्नेंसी में बच्चे और मां की सेहत का खास ख्याल रखने के लिए पौष्टिक आहार की खास जरूरत होती है। पौष्टिक आहार में फल बहुत महत्वपूर्ण हैं जो शरीर में विटामिन,मिनरल्स और खनिज पर्दार्थों की कमी को पूरे करते हैं। वहीं कुछ महिलाओं को फल खाना पसंद नहीं होता और वह हैल्दी फूड्स की बजाए टेस्ट को ज्यादा महत्व देती हैं, जिसमें जंक फूड यानि पिज्ज,बर्गर,फ्रेंच फ्राइस आदि शामिल हैं। इन फूड्स का सेहत पर तो बुरा असर पड़ता ही है लेकिन इससे प्रेग्नेंट होने के चांस भी कम हो जाते हैं। यह बात हाल ही में एक रिसर्च में साबित हुई है कि फास्ट फूड में ऐसे केमिकल होते हैं, जिनसे कई हार्मोन्स ज्यादा बनने लगते हैं और वजन बढ़ने लगता है। जो प्रेग्नेंसी में रूकावट पैदा करता है, जिससे गर्भ धारण करने में परेशानी पैदा होती है। ज्यादा समय तक हॉर्मोंस की यह परेशानी आने से बांझपन की समस्या बढ़ जाती है। वहीं जो महिलाएं जंक फूड अवॉइड करके बेरी,नट्स,हरी पत्तेदार सब्जियां,अंजीर,बींस आदि को अपने आहार में शामिल करती हैं, उन्हें इन चीजों में एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत मिल जाता है। जिससे फर्टिलिटी बढ़ती है और गर्भावस्था की परेशानियां कम हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अनुष्का शर्मा दुनिया के इन 4 स्टेडियम में उखाड़ेंगी विकेट

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपनी आने वाली फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह फिल्म भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे सफल गेंदबाजों में से एक झूलन गोस्वामी की बायॉपिक है। झूलन गोस्वामी भारत की सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। फिल्म के लिए अनुष्का खुद क्रिकेट और गेंदबाजी की ट्रेनिंग ले रही हैं। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म के महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग दुनिया के टॉप 4 क्रिकेट स्टेडियम में की जाएगी। सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि अनुष्का फिल्म की शूटिंग के लिए क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स स्टेडियम और इंग्लैंड के ही हेडिंग्ली स्टेडियम जाएंगी। भारत में भी अनुष्का की इस फिल्म की शूटिंग एक बड़े स्टेडियम में किए जाने की बात चल रही है। एक टॉप सूत्र ने यह भी बताया, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने हाल में कर्णेश शर्मा की क्लीन स्लेट फिल्म के साथ स्पॉन्सरशिप की घोषणा की है जिसके मुताबिक प्रॉडक्शन हाउस 2022 में हेडिंग्ली स्टेडियम का मुख्य स्पॉन्सर होगा। तो यह लगभग निश्चित हो गया है कि अनुष्का यहां शूटिंग करेंगी। साथ ही अनुष्का लॉर्ड्स में भी शूटिग कर सकती हैं। ऐसा लग रहा है कि वह कम से कम दुनिया के 4 बड़े स्टेडियम में शूटिंग करेंगी।

शादी से पहले आलिया भट्ट ने खुद को किया घर में बंद

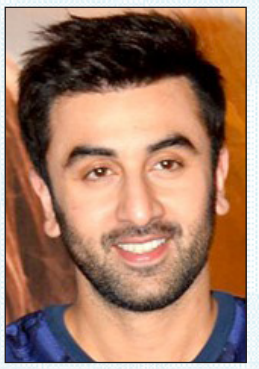

इस वक्त हर किसी की निगाहें रणबीर-आलिया की बिग फैट इंडियन वेडिंग पर हैं। मोस्ट एडोरेबल कपल की शादी की तैयारियां जोरो शोरो से शुरू हो चुकी है। अगले कुछ दिनों में रणबीर और आलिया शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हर दिन इस कपल की शादी को लेकर नए-नए अपेडट आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में शादी की तारीख से लेकर वेडिंग वेन्यू तक की जानकारियां सामने आ चुकी हैं। जानकारी के अनुसार, आलिया भट्ट को लेकर खबर सामने आ रही है, कि आलिया 14 अप्रैल को रणबीर कपूर से शादी करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल आलिया अपनी शादी को लेकर किसी भी बारे में बात नहीं करना चाहती हैं। जिस वजह से आलिया ने अपने आप को घर में कैद कर लिया है। खबर है कि अब आलिया पपराजी से बचने के लिए फिलहाल घर के अंदर रह रही हैं। इस बारे में एक्ट्रेस के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि आलिया शादी से पहले अपने घर से बाहर नहीं निकल रही हैं। आपको बता दें, रणबीर-आलिया की शादी का सबको ही बेसब्री से इंतजार है। दोनो के फैंस, शादी को लेकर आ रही खबरो पर सोशल मीडिया पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। रणबीर-आलिया की शादी के बारे में जानने के लिए मुंबई के जुहू में हर जगह फोटोग्राफर हैं। इस वजह से शादी से जुड़े किसी भी सवाल से बचने के लिए आलिया ने अपनी शादी तक पपराजी से पूरी तरह दूर रहने का फैसला किया है। साथ ही, आलिया और रणबीर ने शादी की तारीख को गुप्त रखने का फैसला किया है।

धमाकेदार एंट्री करने वाले है आयुष्मान

अपनी बेहतरीन एक्टिंग और हर बार एक नए सिनेमा दर्शको को दिखाने वाले आयुष्मान खुराना इस साल भी अपनी आने वाली फिल्मो से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले है। अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी एक्साइट है आयुष्मान। अपनी आने वाली फिल्मो के बारे में आयुष्मान कहते है की वह पूरी तरह से आत्मविशास से भरे है की उनकी आने वाली फिल्मे बड़े परदे पर कमाल करेंगी और दर्शको को नए सिनेमा का अनुभव देंगी। साल 2022 में आयुष्मान की एक बाद एक दमदार फिल्मे रिलीज होंगी। आयुष्मान अनुभव सिन्हा की 'अनेक', अनुभूति कश्यप की 'डॉक्टर G, और आनंद एल राय की 'एक्शन हीरो' में नजर आने वाले है। अपनी आने वाली फिल्मो के बारे में आयुष्मान कहते है इस साल 2022 में मेरी सभी फिल्मे रिलीज को तैयार है। मैं अपनी फिल्मो को लेकर काफी sure हूँ कि ये दर्शको को काफी पसंद आएँगी। मैं हमेशा कोशिश करता आया हूँ की दर्शको को चुनिंदा फिल्मो और नयी कहानी से रूबरू कराऊँ। मैंने कोशिश की है दर्शको को बेहतरीन सिनेमा दिखाने की। फिल्म 'अनेक' के बारे में आयुष्मान ने कहा साल 2022 की मेरी पहली रिलीज 'अनेक' होगी। ये मेरे दिल के बहुत करीब है। ये फिल्म दर्शको को बहुत पसंद आएगी और उनमे देश प्रेम की भावना भर देगी। दर्शको को ये फिल्म सोचने पर मजबूर कर देगी की एक सच्चा भारतीय होने के लिए क्या जरूरी है।